POLITICAL SCIENCE Dept.
B.A.-III (Hons.), Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

केंद्रीकरण बनाम विकेन्द्रीकरण

संगठन के संबंध में एक प्रमुख मुद्दा यह है कि निर्णय निर्माण करने की सत्ता संगठन के शिखर पर एक बिन्दु में केंद्रित होनी चाहिए या पूरे संगठन में व्याप्त होनी चाहिए। यह मुद्दा संगठन के केन्द्रीकरण और विकेंद्रीकरण के सिद्धांत से सम्बंधित है। केंद्रीकरण एवं विकेंद्रीकरण सापेक्षिक प्रवृत्तियाँ हैं। अर्नेस्ट डेल के अनुसार "विकेंद्रीकरण आवश्यक रूप से अच्छा नहीं है और केंद्रीकरण आवश्यक रूप से खराब नहीं है।"

एक संगठन में केंद्रीय स्तर पर सत्ता का व्यवस्थापन और सुसम्बद्ध संग्रह ही केन्द्रीकरण है। सत्ता के केंद्रीकरण का अर्थ है उच्च स्तर पर विद्यमान एक अधिकारी एवं कुछ अधिकारियों में निर्णय-निर्माण की सत्ता का एकत्रीकरण जिसके अनुसार संगठन के समस्त निर्णय उच्चस्तरीय प्रबन्धक द्वारा लिए जाते हैं।

जब निर्णय-निर्माण की शक्ति संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्याप्त होती है तो उसे विकेंद्रीकरण कहते हैं। संगठन में कार्यात्मक एवं सत्तात्मक विकेन्द्रीकरण ही विकेन्द्रित संगठन के निर्माण का आधार है।